RNI No. DDHIN/2021/81605 | संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक | DARE TO SHARE

सुविचार

बारिश की बूँदें भले ही छोटी हों,
लेकिन उनका लगातार बरसना बड़ी
नदियों का बहाव बन जाता है...
वैसे ही हमारे छोटे छोटे प्रयास भी
जिंदगी में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं..

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 41 || दमण गुरुवार, 08 मई 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

सेना ने सफलतापूर्वक पूरा किया ऑपरेशन सिंदूर: 'आतंकवाद की फैक्ट्री' को मात्र 25 मिनट में नष्ट कर दिया गया

डेयर टू शेयर - नई दिल्ली

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसमें 90 आतंकवादी मारे गए। भारतीय सेना की तीनों शाखाओं ने मिलकर कल देर रात पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस स्थान पर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिद्दीन के 900 आतंकवादियों को निशाना बनाया गया था। भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर की गई कार्रवाई को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना ने कहा कि भारतीय सेना के पास लक्ष्य के बारे में विश्वसनीय जानकारी थी, जिसके आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया। इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि इस ऑपरेशन में आम नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। केवल आतंकवादी संगठनों को ही निशाना बनाया गया है। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर दोपहर 1.05 से 1.30 बजे तक चलाया गया। मात्र 25 मिनट में 9 आतंकवादी शिविर नष्ट कर दिए गए। ये लक्ष्य विश्वसनीय जानकारी के आधार पर निर्धारित किये गये थे। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा गया कि निर्दोष नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। यदि पाकिस्तान कोई कार्रवाई करेगा तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। कर्नल सोफिया ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उन निर्दोष नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए

चलाया गया था जो पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए क्रूर हमले के शिकार हुए थे। जिसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। जो पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। पाकिस्तान में तीन दशकों से आतंकवादी नेटवर्क बन रहा है। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकवादी भर्ती केंद्रों, प्रशिक्षण क्षेत्रों और लॉन्च पैडों को नष्ट कर दिया गया। मुजफ्फराबाद में सईद का बिलाल कैंप नष्ट कर दिया गया है। जो जैश-ए-मोहम्मद का अड्डा था। जो हथियारों, विस्फोटकों और जंगल में जीवित रहने के प्रशिक्षण का केंद्र था। नियंत्रण रेखा से 30 किलोमीटर दूर स्थित लश्कर-ए-तैयबा का कोटली स्थित गुलपुर शिविर भी नष्ट कर दिया गया है। यह शिविर जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ में सक्रिय था। इस कैंप में 20 अप्रैल 2023 और 9 अप्रैल 2024 को पुंछ में तीर्थयात्रियों की बसों पर हमले के लिए आतंकियों को प्रशिक्षित किया गया था। एलओसी से 9 किलोमीटर दूर बरनाला कैंप भीमबार को भी उड़ा दिया गया है। बरनाला कैम्प हथियार संचालन, आईईडी और जंगल में जीवित रहने का प्रशिक्षण केंद्र था। कोटली स्थित अब्बास कैंप में फिदायीन लोगों को आत्मघाती हमलों का प्रशिक्षण दिया जाता था। पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने वाले सियालकोट आतंकी शिविर को खाली करा दिया गया है। जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से 6 किमी दूर है। मार्च 2025 में जम्मू-कश्मीर के चार सैनिकों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को यहीं प्रशिक्षित किया गया था। महमून जोया सियालकोट हिज्बुल मुजाहिद्दीन का एक बड़ा शिविर भी नष्ट कर दिया गया है। जो जम्मू के कठुआ में आतंकवाद फैलाने का केंद्र था। मुरीदके स्थित मरकज-ए-तैयबा के आतंकवादी शिविर को भी उड़ा दिया गया। जहां अजमल कसाब और डेविड हेडली को प्रशिक्षण दिया गया था। यह शिविर अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 18-25 किमी दूर है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में किसी सैन्य चौकी पर हमला नहीं किया। न ही किसी नागरिक को कोई नुकसान पहुंचा। जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय मरकज़ शुभानुल्लाह कैंप भी नष्ट कर दिया गया है। जहां आतंकवादियों की भर्ती और प्रशिक्षण किया जाता था।

सार्वजनिक सूचना

Public Notice

डेयर टू शेयर (अखबार) / PUBLIC VOICE (यूट्यूब चैनल) के नाम पर कोई भी व्यक्ति या अपने आपको रिपोर्टर कह कर आप से किसी भी प्रकार की धनराशि की माँग करता है या आप को न्यूज के नाम पर ब्लैकमेल करता है, तो कृपया:

1. तुरंत अपने स्थानीय पुलिस को सूचित करें।
2. हमें वॉट्सएप या कॉल 9898109815, 8000360011 पर प्रमाण (स्क्रीनशॉट/रिकॉर्डिंग) के साथ सूचित करें।

हम ऐसी धोखाधड़ी एवं अनैतिक गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं

हम ऐसे अनैतिक और अवैध कार्यों को किसी भी प्रकार से समर्थन नहीं देते हैं। और प्रभावितों के साथ कानूनी कार्रवाई में पूर्ण सहयोग देंगे।

सतर्क रहें | जागरूक रहें | धन्यवाद।

प्रबंधन टीम
डेयर टू शेयर (अखबार)
PUBLIC VOICE (YouTube चैनल)
संपर्क:
मोबाइल नो. 9898109815, 8000360011
ईमेल : dare.media24x7@gmail.com

नोट: यह सूचना सभी पाठकों, व्यवसायों एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए प्रकाशित की गई है। कृपया इसे साझा करके धोखाधड़ी रोकने में सहयोग करें।

प्रफुल पटेल के नेतृत्व में सिलवासा में ऐतिहासिक पुस्तक मेले की शुभआरंभ

जीवन निर्माण का आधार है पुस्तक – जय वसावडा

डेयर टू शेयर - सिलवासा

प्रशासक महोदय प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव के सिलवासा शहर में एक ऐतिहासिक एवं भव्य पुस्तक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए श्री पटेल द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का यह आयोजन एक प्रतीक बनकर सामने आया है। इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित प्रसिद्ध गुजराती लेखक एवं प्रेरणादायी वक्ता श्री जय वसावडा ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, "जीवन की तैयारी के लिए पढ़ना आवश्यक है। पुस्तकें न केवल ज्ञान का साधन हैं, बल्कि व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एकमात्र माध्यम भी हैं।" उन्होंने सरल भाषा में बताया कि किताबें ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं प्रशासक महोदय प्रफुल पटेल ने अपने अभिभाषण में इस आयोजन के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए विश्वास जताया कि "पुस्तक मेला समाज में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने, ज्ञान को बढ़ावा देने और युवा पीढ़ी को सही दिशा में प्रेरित करने का सशक्त माध्यम बनेगा।" इस पुस्तक मेले में एक लाख से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें हिंदी, गुजराती, अंग्रेज़ी, मराठी सहित अन्य भाषाओं की पुस्तकें भी शामिल हैं। साहित्य, विज्ञान, इतिहास, प्रेरणा, कला, संस्कृति आदि विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों के साथ-साथ, मेले में स्थानीय शिल्प कला के स्टॉल और शैक्षणिक संस्थानों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल भी लगाए गए हैं। जनता में पढ़ने की संस्कृति को विकसित करने और पुस्तक प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस आयोजन को सफल बनाने हेतु संपूर्ण प्रदेशवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस मेले का लाभ लें।

संपादकीय

सम्पूर्ण युद्ध का मोड़

भारत सरकार ने अब हर आतंकवादी हमले का जवाब देने का निर्णय लिया है और इस तरह के रणनीतिक हमले पहले भी हुए हैं। यह स्वाभाविक ही है कि पहलगाम हमले से सदमे में आया भारत सरकार के नए आक्रामक मूड और संयमित, अच्छी तरह से लक्षित हवाई हमलों से राहत महसूस करेगा। लेकिन यह एक नया प्रारंभिक बिंदु है। भारत ने इस बार युद्ध की जो चिंगारी सुलगाई है, वह लंबे समय तक चलेगी, क्योंकि एनडीए सरकार के इस तीसरे कार्यकाल में उसके एजेंडे में एक नया नक्शा है। सत्तारूढ़ पार्टी ने बार-बार शेष कश्मीर को हड़पने की बात कही है। यह स्वाभाविक है कि श्री मोदी की चतुर बुद्धि काम आएगी। भाजपा के एजेंडे में हिंदू हैं, इस बार पाकिस्तान पर हवाई हमले के बाद एजेंडा हिंदुस्तान है। यही कारण है कि आम आदमी इस कार्यकाल के खत्म होने से पहले अखंड कश्मीर का सपना देख रहा है। भारतीय जनता को प्रधानमंत्री मोदी से बड़ी उम्मीदें हैं। भारतीय लोग जानते हैं कि भारत को पाकिस्तान को अल्पकालिक सबक सिखाने से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे दीर्घकालिक सबक सिखाना चाहिए, ताकि वह भविष्य में उसकी ओर न देख सके। देश में इस समय राष्ट्र प्रेम की लहर चल रही है। इस हवा में पाकिस्तान को तबाह करने की पूरी ताकत है। सरकार ने मॉक ड्रिल के माध्यम से पूर्ण पैमाने पर युद्ध के लिए अपनी सार्वजनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। यदि पाकिस्तान इसमें निहित संदेश को नहीं समझेगा तो भीषण युद्ध में उसका विनाश हो जाएगा। दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच टकराव अब बाकी दुनिया के लिए चिंता का विषय है, लेकिन अब भारत एक वास्तविक युद्ध लड़ेगा और पाकिस्तान को चार या पांच टुकड़ों में विभाजित करेगा। दुनिया में कुछ ऐसे देश भी हैं जहां दोनों देशों के बीच राख के नीचे दबी चिंगारी कभी शांत नहीं होती। विभिन्न घटनाओं की हल्की हवा चलने पर राख उड़ जाती है और अंगारे बहने लगते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध भी 1947 से इसी आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए एक सिरदर्द बना हुआ है। जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में पकड़ा गया, तब तक अमेरिका को यह एहसास हो गया था कि पाकिस्तान दूध पीकर पले सांप की तरह अमेरिकी डॉलर पर जिंदा है। अंततः, यह अमेरिका का सबसे बड़ा अपराधी है। मुख्य प्रश्न यह है कि क्या पाकिस्तानी सेना को अपने ऊपर उतना भरोसा नहीं है जितना उसे आतंकवादियों पर है। अतः एक तरह से कहा जा सकता है कि पाकिस्तान के पास युद्ध लड़ने के लिए कमजोर सेना है। यही कारण है कि पाकिस्तानी सेना दुनिया भर से भाड़े के आतंकवादियों को इकट्ठा करती है, गिलगित और बाल्टिस्तान में बड़े शिविर चलाती है और आतंकवादियों को हमले करने की इजाजत देते हुए निष्क्रिय बनी रहती है। इस वजह से भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा हमेशा जलती रहती है। पाकिस्तानी नेता लंबे समय से अपने लोगों को गुमराह करते रहे हैं। आज भी पाकिस्तान के नेता अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हालात और वहां के लोगों की बिगड़ती जिंदगी के बारे में कभी नहीं बोलते। पाकिस्तान हमेशा से भारत की पीठ में छुरा घोंपने पर आमादा रहा है और इसके लिए उसने छल-कपट के जरिए लड़ने वाले आतंकवादियों का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान इस समय अनेक आपदाओं से घिरा हुआ है। इसका टुकड़े-टुकड़े होना तय है। ईरान इसका नया शत्रु बनकर उभर रहा है। पाकिस्तान और ईरान के बीच संबंधों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। डेढ़ वर्ष पहले पाकिस्तानी सीमा पर स्थित आतंकवादी ठिकानों पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण भी संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं, जिन्हें संदेह की दृष्टि से देखा गया है। हालाँकि, ईरान का कहना है कि वह गाजा युद्ध से फैल रहे संघर्ष का हिस्सा नहीं बनना चाहता। लेकिन कई समूह हैं, जैसे हौथी, हमास, हिजबुल्लाह, जिन्हें वह प्रतिरोध की धुरी कहते हैं और जो पूरे संघर्ष को आगे बढ़ाने में सीधे तौर पर शामिल हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों को रोकने के लिए हौथी विद्रोहियों के ठिकानों पर भी हमला किया है। पाकिस्तानी सैन्य कमांडरों ने पिछले महीने इन हौथी विद्रोहियों के नेताओं के साथ बातचीत की थी। पाकिस्तान आतंकवादियों का पनाहगाह है। इसमें उच्च तकनीक वाली कोचिंग प्रणाली है। पेंटागन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इस समय 44 विभिन्न देशों के आतंकवादी मौजूद हैं। पाकिस्तान हर आतंकवादी समूह को भारत के खिलाफ लड़ने के लिए भेजना चाहता है। अब उस सम्पूर्ण दुष्चक्र का अंत निकट है।

संपादक: मनोज रावल

"दमण में इमरजेंसी मॉकड्रिल: आग लगे भवन में दूसरे माले से लोगों का किया गया रेस्क्यू, जनता को दी गई सतर्कता की ट्रेनिंग"

आतंकी हमलों के बाद देशभर में सुरक्षा अलर्ट के तहत जारी मॉकड्रिल का हिस्सा बना दमण – फायर ब्रिगेड ने आपात स्थिति में रेस्क्यू ऑपरेशन किया।

डेयर टू शेयर - दमण

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। केंद्र सरकार और प्रशासन द्वारा जनता को आपात स्थिति में प्रशिक्षित और जागरूक करने के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मॉकड्रिल आयोजित की जा रही हैं। संघ प्रदेश दमण में बुधवार को ऐसी ही एक मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें मशाल चौक स्थित एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। इस अभ्यास में फायर ब्रिगेड द्वारा दूसरे माले पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान रेस्क्यू टीम ने दिखाया कि आपातकालीन स्थिति में किस तरह से घबराए बिना लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाता है। मौके पर उपस्थित आम नागरिकों को यह बताया गया कि आपदा के समय क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। प्रशासन द्वारा दी गई इमरजेंसी गाइडलाइन में यह शामिल था: घरों और इमारतों के पर्दे, खिड़कियाँ और दरवाज़े पूरी तरह बंद रखें। डीजी सेट, इनवर्टर और सभी विद्युत उपकरण बंद रखें। सभी लाइटें और अनावश्यक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम बंद कर दिए जाएँ। बिल्डिंग के सेफ जोन या बेसमेंट में खुद को सुरक्षित रखें। अफवाहों से बचें और प्रशासन की सरकारी सूचना पर ही भरोसा करें। दानह में अगला अभ्यास: प्रशासन ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में दादरा नगर हवेली (DNH) में हवाई हमलों की स्थिति में आपात तैयारी और स्थानांतरण (EVACUATION) प्रक्रिया पर आधारित मॉक अभ्यास किया जाएगा। दमण प्रशासन ने बताया कि ऐसे अभ्यासों का उद्देश्य जनता में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाना और जीवन रक्षा कौशल को मजबूत करना है। मौके पर मौजूद लोगों ने मॉकड्रिल को सराहा और कहा कि इससे उन्हें वास्तविक परिस्थिति में क्या करना चाहिए – इसकी बेहतर समझ मिली।

ट्री ट्राइब सिलवासा के युवाओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन, डॉ. अवधेशसिंह चौहान के नेतृत्व में युवाओं ने समाज को दिया एक अच्छा संदेश, ग्रीन सिलवासा की ओर एक कदम।

डेयर टू शेयर - सिलवासा

आज के समय में जब पर्यावरण संकट एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, ऐसे में समाजसेवी डॉ. अवधेशसिंह चौहान द्वारा उठाया गया कदम समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बन रहा है। डॉ. चौहान ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अद्वितीय पहल करते हुए ट्री ट्राइब संस्था के युवाओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में पर्यावरण के प्रति

चेतना जागृत करना और हरियाली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चौहान ने कहा, "पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। यदि हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व हरित वातावरण देना चाहते हैं, तो हमें आज से ही ठोस कदम उठाने होंगे।" उनके इस कथन ने उपस्थित जनसमूह में गहरी छाप छोड़ी। ट्री ट्राइब संस्था सिलवासा के कॉलेज छात्रों का एक समर्पित समूह है, जो पर्यावरणीय गतिविधियों में निरंतर सक्रिय है। संस्था के युवाओं ने अब तक शहर के अनेक क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर वहां हरियाली का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका मानना है कि "छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं" और इस उद्देश्य से वे स्कूलों, कॉलेजों व कॉलोनियों में जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते रहते हैं। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में ट्री ट्राइब के दर्जनों युवाओं ने भाग लिया और विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान न केवल पौधे लगाए गए, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी युवाओं ने विस्तार के लोगों और कर्मचारियों को सौंपी। डॉ. अवधेशसिंह चौहान की प्रेरणा और ट्री ट्राइब के समर्पण का यह संगम एक उदाहरण बनकर सामने आया है, जिससे समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता की लहर फैल रही है। ट्री ट्राइब टीम की नेहा नागराले का कहना है, "केवल वृक्ष लगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना और समाज को भी इसके लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। जब तक हर नागरिक इस मिशन में सहभागी नहीं बनेगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।" अंततः, यह मुहिम हम सभी के लिए एक संदेश है कि हम अपने स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाएँ। पौधारोपण, प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का सही निपटान और जल संरक्षण जैसे छोटे-छोटे प्रयास मिलकर इस पृथ्वी को रहने योग्य बना सकते हैं। डॉ. अवधेशसिंह चौहान और ट्री ट्राइब संस्था की इस प्रेरणादायक पहल को सलाम! क्या आप भी इस हरियाली की क्रांति का हिस्सा बनना चाहेंगे? अगर हाँ, तो आज ही एक पौधा लगाइए और पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम में अपनी भूमिका निभाइए!

वलसाड जिला कांग्रेस अध्यक्ष, संगठन के लिए केंद्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर के पर्यवेक्षक सदन

डेयर टू शेयर - वलसाड

राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल के निर्देश पर राज्य के हर जिले में संगठन विकास अभियान चल रहा है। इसके तहत मंगलवार को केंद्रीय और राज्य कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने वलसाड में नए जिला कांग्रेस अध्यक्ष और संगठन का चयन करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों, कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की संवेदीकरण प्रक्रिया आयोजित की। कांग्रेस के संगठन सुजन अभियान के तहत वलसाड जिला कांग्रेस मुख्यालय में नए अध्यक्ष के चुनाव एवं संगठन संरचना के लिए संवेदीकरण प्रक्रिया के कार्य के लिए एआईसीसी पर्यवेक्षक के रूप में एआईसीसी की युवा महिला सांसद परनीति शिंदे एवं जीपीसीसी के पर्यवेक्षक राजेश गामित (तापी) उपस्थित थे। डी. पटेल (नवसारी), प्रफुल्ल तोगड़िया (सूरत), व्यारा के पुनाभाई गामित वलसाड जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य गौरवभाई पंड्या, पूर्व सांसद किशन पटेल, उपाध्यक्ष भोलाभाई पटेल, महासचिव गिरीश देसाई, विजय देसाई, राजूभाई देसाई, तालुका कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश एम. पटेल, कपराडा तालुका के वसंत पटेल, वापी के पीरू मकरानी, पूर्व नगरपालिका सदस्य संजय चौहान, पारडी शहर अध्यक्ष बिपिन पटेल तथा वलसाड कांग्रेस के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। वलसाड जिला कांग्रेस कार्यालय में पर्यवेक्षकों की इस टीम ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों, सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवा संगठन के सदस्यों को एक विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया। जिसमें एक-एक करके सेंस आयोजित किए गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

पिछले एक साल से मानसिक रूप से अस्थिर अवस्था में भटकते हुए जीवन जी रहे एक युवक को एक परिवार मिल गया है।

डेयर टू शेयर - वापी

वापी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीम को बामनपूजा चेकपोस्ट के पास एक भिखारी और एक युवक अधमरी हालत में मिले। मानसिक रूप से बीमार युवक से पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में उसने अपना नाम अब्दुल लतीफ हक बताया और बताया कि वह राजस्थान के बूंदी जिले का रहने वाला है। एसओजी टीम युवक को वापी लेकर आई और उसके परिजनों के बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन युवक कोई और जानकारी नहीं दे पाया। पिछले एक साल से भटककर जीवन जी रहे युवक को पुलिस ने निराश्रितों की मदद करने वाली संस्था सहयोग होल्डिंग हैंड को सौंप दिया, क्योंकि उसके सिर और दाढ़ी के बाल जरूरत से ज्यादा बढ़ गए थे और शरीर कमजोर हो गया था। सहकारी संगठन में उस युवक की देखभाल की जा रही थी तथा उसके बाल मुंडवाये जा रहे थे। उधर, एसओजी टीम ने राजस्थान के बूंदी जिले के थाने से संपर्क कर युवक का फोटो भेजा। बूंदी जिला पुलिस ने सोशल

मीडिया व अन्य माध्यमों से युवक के परिजनों का पता लगाया। पुलिस ने परिवार से उनके मोबाइल फोन पर बात की और उन्हें अब्दुल लतीफ हक के बारे में जानकारी दी, जो बरामद हो गया। लापता व्यक्ति 35 वर्षीय अब्दुल हक की पहचान बूंदी जिले के तलेलागाम निवासी के रूप में हुई है। अंततः पुलिस ने लापता व्यक्ति के चाचा, चाची और भतीजे को परिवार तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के बाद अब्दुल को उसके परिवार को सौंप दिया। इस प्रकार अब्दुल पिछले एक साल से अपने परिवार से अलग होकर भिखारी की तरह जीवन जीने को मजबूर है। हालांकि, पुलिस कार्रवाई के बाद मानसिक रूप से बीमार युवक को उसके परिवार से मिला दिया गया।

वापी में ट्रांसपोर्ट कंपनी से 16.70 लाख की बड़ी चोरी

यूपी-महाराष्ट्र से चार आरोपी गिरफ्तार, ट्रांसपोर्ट मजदूर की अंदरूनी सूचना से हुआ था वारदात का खुलासा

डेयर टू शेयर - वापी

वापी तालुका के सलवाव क्षेत्र में स्थित जे.पी. इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी में 16.70 लाख की नगद चोरी का पर्दाफाश वलसाड लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) ने कर दिया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4.57 लाख की नकदी बरामद की है। चोरी में कंपनी के आसपास कार्यरत एक ट्रांसपोर्ट मजदूर की भूमिका भी सामने आई है, जिसने पूरी वारदात को अंजाम देने के लिए मुख्य आरोपियों को अंदर की जानकारी दी थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना

29 अप्रैल 2025 की रात को घटी, जब तीन अज्ञात शख्सों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी का शटर तोड़ा और तिजोरी से 16.70 लाख की नकद राशि लेकर फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद, पुलिस

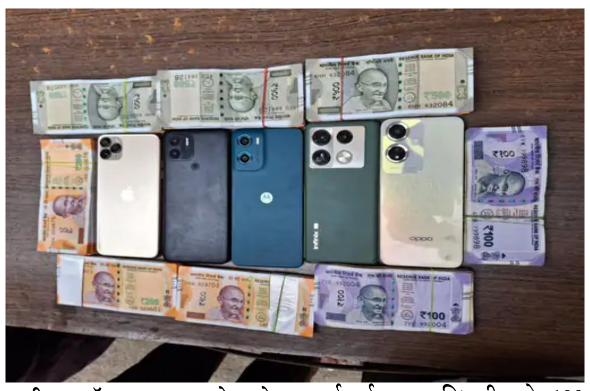

अधीक्षक डॉ. करणराज वाघेला के मार्गदर्शन में LCB पीआई उत्सव बारोट और उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। टीम ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और आखिरकार चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सद्दाम अमीरुल खान (उम्र 22), सीराज शाह नुरूल जमीर मिया (22), सलमान यतुल्ला शाह (20) और जाहीद मुबारक चौधरी (20) के रूप में हुई है। इन चारों में से जाहीद सलवाव क्षेत्र की एक अन्य ट्रांसपोर्ट कंपनी में मजदूर के रूप में काम करता था। जांच में पता चला कि जाहीद ने ही बाकी आरोपियों को जे.पी. इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी की नकदी, सुरक्षा व्यवस्था और लोकेशन की पूरी जानकारी दी थी। पुलिस ने आरोपियों से 4.57 लाख नकद जब्त की है, जबकि बाकी रकम की तलाश जारी है। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि इन आरोपियों ने इससे पहले एक अन्य ट्रांसपोर्ट कंपनी से 15,000 की चोरी भी की थी। वलसाड पुलिस ने मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।

डुंगरी पुलिस ने 10 लाख की विदेशी शराब मामले में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड जिले की डुंगरी पुलिस को शराबबंदी मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कर्नाटक राज्य से दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वलसाड जिला पुलिस प्रमुख डॉ. करणराज वाघेला के मार्गदर्शन में की गई। 1 मई 2025 को वलसाड जिला एलसीबी की एक टीम ने पारडी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक अशोक लीलैंड कंटेनर (एनएल-08-एए-9002) से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की। इस कंटेनर में 9900 बोतल शराब पाई गई। जिसकी कीमत 2500 रुपये है। 10,08,000 अनुमानित किया गया है। घटनास्थल से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पारडी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 65(ए)(ई), 81, 98(2) और 116(बी)

के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच पीआई यू.एच. इसे पटेल को सौंप दिया गया। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि कर्नाटक राज्य के बीदर जिले के बसवकल्याण निवासी दो लोग इस अपराध के मुख्य मास्टरमाइंड हैं। पीएसआई केएम सवागिया के नेतृत्व में एक टीम कर्नाटक भेजी गई। पुलिस ने दो वांछित आरोपियों मोहम्मद अयाजुद्दीन उर्फ अयाज (32) और मोहम्मद नबीउद्दीन उर्फ नबी (35) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी मोहम्मद मोइनुद्दीन नबीशब खादीवाला के बेटे हैं। इस गिरफ्तारी से वलसाड जिले में शराब तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

सनातन टेक्सटाइल की 'रसायनिक भक्ति' से नदी में जहर, प्रशासन अब भी समाधि में!"

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा नगर हवेली के सुरंगी क्षेत्र में स्थित सनातन टेक्सटाइल कंपनी ने पर्यावरण को प्रदूषण का नया प्रसाद चढ़ा दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, कंपनी बीते कई महीनों से खुलेआम रासायनिक युक्त गंदा पानी सीधे नदी में छोड़ रही है। खेतों की उपज पर असर, भूजल स्रोतों पर खतरा—पर पीसीसी विभाग अब भी चुपचाप जल समाधि लिए बैठा है। स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि आखिर कंपनी में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट है तो उसका इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा? या फिर ये प्लांट केवल दिखावे के लिए है? पर्यावरण की इस बर्बादी पर जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंद कर शायद ध्यान योग कर रहे हैं।

2. "नदी बनी नाला: सनातन कंपनी का जल जहर, पीसीसी विभाग 'कागजी शुद्धता' में व्यस्त" सुरंगी (द.न.ह.) – 'साफ पानी का अधिकार' अब शायद पुरानी बात हो चुकी है। सुरंगी की सनातन टेक्सटाइल कंपनी ने यह तय कर लिया है कि नदी को नाले में बदलना है। महीनों से हो रहे इस प्रदूषण पर पीसीसी विभाग की नज़र अब भी रिपोर्ट तैयार करने और फाइलें पलटने में ही लगी है। गांव के लोग पूछते हैं कि जब दूसरी कंपनियों पर बिजली कट और सीलिंग जैसे कदम उठाए गए थे, तो इस 'सनातन प्रदूषण' को क्यों छोड़ा गया? क्या पर्यावरण की चिंता केवल कागजों में होती है? या फिर अधिकारियों के लिए 'शुद्धता' केवल फाइलों में बची है?

जिले में आए तूफान ने आम के बागों को तबाह कर दिया, आम के औसत दाम में 50 फीसदी की गिरावट

डेयर टू शेयर - वलसाड

पिछले दो दिनों से तेज हवाओं के साथ आए चक्रवात और तूफान के कारण वलसाड जिले सहित दक्षिण गुजरात में बाढ़ आ गई है। सबसे ज्यादा असर 47 हजार हेक्टेयर में उगाई जाने वाली आम की फसल पर पड़ा है। बताया गया है कि आम की फसल में गिरावट के कारण आम की कीमत 50 प्रतिशत से नीचे आ गई है। इसके कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। दिसंबर-जनवरी में मौसम के प्रतिकूल प्रभाव के कारण खेत आमों से लथपथ होकर काले पड़ गए, जिससे 50 से 60 प्रतिशत फसल बर्बाद हो गई। पिछले दो दिनों से हो रहे चक्रवात और बेमौसम भारी बारिश में 40 से

50 प्रतिशत सुरक्षित फसल बर्बाद हो गई है और किसानों को अब भूस्खलन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही व्यापारियों के कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। इस बीच, अगले दिन भी भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया। मंडी में औसतन 500-500 मन आम आए जो आंधी-बारिश के कारण आम के बागों में खराब हो गए थे। वलसाड और धरमपुर मंडियों में औसतन 500-500 मन आम की आवक हुई। मांग की कमी के कारण आम की मांग नहीं रही। व्यापारी और किसान दोनों असहाय हो गये। प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण इस समय आम की मांग नहीं थी। इससे किसानों और व्यापारियों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वलसाड तालुका में 10 घर क्षतिग्रस्त हो गए। वलसाड तालुका में रात भर बादल छाए रहे। दो दिनों तक आए भारी तूफान और बारिश के कारण विभिन्न गांवों में 10 घर उड़ गए, जिससे गरीबों को नुकसान उठाना पड़ा। इसके चलते मामलातदार कार्यालय ने सरकारी सहायता की मांग की। इसके साथ ही वलसाड जिले में तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर पेड़ गिर गए। बार-बार बिजली गुल होने से भी लोगों को परेशानी हुई।

"लक्षद्वीप दौरे के लिए आभार प्रकट करने पहुंचे जनप्रतिनिधि, प्रशासक श्री प्रफुल पटेल को भेंट किया स्मृति चिन्ह"

डेयर टू शेयर - सिलवासा

संघप्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव और लक्षद्वीप के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी से आज दीव और सिलवासा के जनप्रतिनिधियों ने सौजन्य मुलाकात की। यह मुलाकात हाल ही में संपन्न हुए लक्षद्वीप दौरे को लेकर आभार प्रकट करने के उद्देश्य से की गई थी। प्रशासक श्री पटेल के मार्गदर्शन में, दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की सभी जिला पंचायतों के सदस्य, नगर पालिकाओं के

पार्षद और ग्राम पंचायतों के सरपंच लक्षद्वीप दौरे पर गए थे। इस दौरान प्रतिनिधियों को लक्षद्वीप की सांस्कृतिक विरासत, राजनीतिक संरचना, भौगोलिक विशेषताओं और विकासात्मक प्रयासों का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। मुलाकात के दौरान जन प्रतिनिधियों ने श्री पटेल को एक स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके नेतृत्व और अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि यह दौरा उनके ज्ञान और दृष्टिकोण को व्यापक बनाने वाला रहा। इस अवसर पर संघप्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह मुलाकात सौहार्द्र, सहभागिता और भविष्य की बेहतर साझेदारी की भावना को और मजबूत करती है।

वलसाड सखी वन स्टॉप सेंटर ने पालघर की महिला को उसके पति से मिलाया

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड सखी वन स्टॉप सेंटर ने एक मानसिक रूप से बीमार महिला को उसके परिवार से मिलाया है। इस महिला को 181 अभयम महिला हेल्पलाइन द्वारा 25 अप्रैल 2025 को केंद्र में लाया गया था। महिला केवल मराठी जानती थी और अपने नाम और विक्रमगढ़ जिले के अलावा कोई अन्य जानकारी नहीं दे सकी। केंद्र ने उन्हें तत्काल आश्रय और आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई। उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए उसे मनोचिकित्सा ओपीडी में ले जाया गया और उपचार शुरू किया गया। केंद्र के कर्मचारियों ने विक्रमगढ़ पुलिस स्टेशन सहित पालघर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों से संपर्क किया। 29 अप्रैल को विक्रमगढ़ पुलिस स्टेशन द्वारा महिला के परिवार से संपर्क किया गया। महिला की फोटो और जानकारी भेजने के बाद उसके पति ने उसकी पहचान की और उसी दिन शाम 4:15 बजे केंद्र पर पहुंचे। उचित पहचान सत्यापन के बाद महिला को उसके पति के पास वापस भेज दिया गया। पति ने केंद्र को धन्यवाद दिया और अपनी पत्नी को घर ले गया। सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, परामर्श और अस्थायी आश्रय जैसी विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है।

परीक्षा देने वापी कॉलेज गई छात्रा लापता

डेयर टू शेयर - वापी

वापी वलसाड जिले के उमरगाम तालुका के जलाराम सॉ मिल के बगल में खाटलवाड़ा रोहित फलियुन की रहने वाली 19 वर्षीय वैश्वी योगेश कापसे अपने घर से 23/04/2025 को दोपहर 1:30 बजे जीआईडीसी, रोटरी सर्कल, वापी तालुका के पास छारवाड़ा रोड के पास रोफेल कॉलेज में परीक्षा देने के लिए आई थी। वे किसी अज्ञात कारणवश चले गए और आज तक वापस नहीं लौटे।

"प्रभु टोकिया को मिली दादरा नगर हवेली कांग्रेस अध्यक्ष की कमान, हाईकमान ने जताया भरोसा"

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा नगर हवेली कांग्रेस कमेटी को नया नेतृत्व मिल गया है। कांग्रेस हाईकमान ने प्रभु टोकिया को दादरा नगर हवेली कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष महेश शर्मा के स्थान पर दी गई है। यह जानकारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री के. सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने प्रभु टोकिया पर भरोसा जताते हुए उन्हें संगठन को मज़बूत करने और क्षेत्र में कांग्रेस की नीतियों को प्रभावशाली ढंग से लागू करने की जिम्मेदारी दी है। नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभु

टोकिया ने इस अवसर पर कांग्रेस हाईकमान का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को उठाने और कार्यकर्ताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस निर्णय से उत्साह की लहर है और संगठनात्मक ढांचे को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

"पाकिस्तान जिंदाबाद बोलने वाला वापी का युवक "शाहिद" गिरफ्तार – देश विरोधी वीडियो से मचा बवाल"

"हमले के बाद भी पाकिस्तान की हिमायत – वापी में देशद्रोही वीडियो वायरल, आरोपी शाहीद गिरफ्तार"

डेयर टू शेयर - वापी

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल था। इसी बीच भारत ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कई आतंकियों को ढेर कर दिया। भारत की इस सैन्य कार्रवाई के बाद देशभर में खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई थी। लेकिन वापी शहर से एक शर्मनाक और देश विरोधी वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में एक युवक

यह कहते हुए नजर आ रहा है – "इंडिया ने पाकिस्तान पे हमला किया, दो जहाज़ गिराए हैं, इंशाअल्लाह।" इस युवक की पहचान शाहीद नामक व्यक्ति के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है और वापी में कार्यरत है। वीडियो को उसके ही एक सहकर्मी ने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और वापी टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी शाहीद को बुधवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया। देशभक्ति के माहौल में जहर घोलने की कोशिश – वापी पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, पर अब तक नहीं जारी किया कोई प्रेस नोट", अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं: इस गंभीर प्रकरण पर अब तक वापी पुलिस की ओर से कोई भी प्रेस नोट या सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे जनता में भ्रम और असंतोष की स्थिति पैदा हो रही है। इस वीडियो ने लोगों की भावनाओं को आहत किया है, और लोग जानना चाहते हैं:

1. क्या आरोपी पर देशद्रोह की धाराएं लगाई गई हैं?
2. क्या वीडियो की फॉरेंसिक जांच हो रही है?
3. क्या आरोपी के सोशल मीडिया व अन्य संपर्कों की जांच हो रही है?

3. पुलिस को क्या करना चाहिए: इस तरह के राष्ट्रविरोधी मामलों में पारदर्शिता और सख्ती जरूरी है। पुलिस को चाहिए कि:
4. तत्काल एक प्रेस नोट जारी कर पूरी जानकारी सार्वजनिक करे।
5. मामले की गंभीरता को देखते हुए मीडिया को ब्रीफिंग दे। जनता में भरोसा बनाए रखने के लिए कानूनी धाराओं और आगे की कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी दे।

देश में आतंकी हमले के बाद जहाँ एक ओर जश्न का माहौल था, वहीं वापी में एक युवक ने पाकिस्तान की पैरवी कर देश के जख्मों पर नमक छिड़का।

वापी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा जागरूकता के लिए संयुक्त प्लैग मार्च और मॉक ड्रिल का आयोजन

यात्रियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने रेलवे विभागों की प्रभावशाली पहल

डेयर टू शेयर - वापी

वापी रेलवे स्टेशन पर आज सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन को लेकर दो महत्वपूर्ण आयोजन किए गए – एक संयुक्त प्लैग मार्च और मॉक ड्रिल। इन आयोजनों का उद्देश्य यात्रियों एवं आमजन में सुरक्षा के प्रति विश्वास को और मजबूत करना तथा रेलवे स्टाफ को आपात स्थिति के लिए तैयार रखना था। पहले चरण में, रेलवे सुरक्षा बल (RPF), राजकीय रेलवे पुलिस (GRP), वाणिज्य विभाग तथा अन्य विभागों के सहयोग से एक संयुक्त प्लैग मार्च का आयोजन किया गया। इस मार्च का नेतृत्व RPF निरीक्षक श्री आशीष तिवारी और GRP पुलिस निरीक्षक श्री वैभव ने किया। मार्च की शुरुआत RPF पोस्ट से होकर स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, पार्किंग क्षेत्र, पार्सल कार्यालय और मुख्य प्रवेश द्वार से होती हुई पुनः RPF पोस्ट पर समाप्त हुई। इस मार्च ने यात्रियों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की मिसाल पेश की। इसके पश्चात वापी रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु एक मॉक ड्रिल का भी सफल आयोजन किया गया। इसमें आग लगने की स्थिति में अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग और त्वरित प्रतिक्रिया की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इस मॉक ड्रिल में RPF, GRP, वाणिज्य विभाग, तथा SSE (Power) के स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी की। मॉक ड्रिल में शामिल विभाग और अधिकारी:

RPF: निरीक्षक आशीष तिवारी के नेतृत्व में 5 अधिकारी एवं कर्मचारी GRP: पुलिस निरीक्षक श्री वैभव एवं 5 स्टाफ वाणिज्य विभाग: CMI के साथ 6 स्टाफ SSE (Power): 3 स्टाफ सभी प्रतिभागियों ने टीमवर्क, अनुशासन और सजगता का परिचय देते हुए ड्रिल को सफल बनाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि आपातकालीन स्थिति में रेलवे स्टाफ पूरी तत्परता से कार्रवाई करने में सक्षम है। इन दोनों आयोजनों ने रेलवे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। रेलवे अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से जारी रहेंगे, जिससे सुरक्षा और अनुशासन का स्तर उच्चतम बना रहे।

वापी GIDC की हेमा DYCHEM प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुआ बड़ा धमाका — जान बची मगर सवाल खड़े

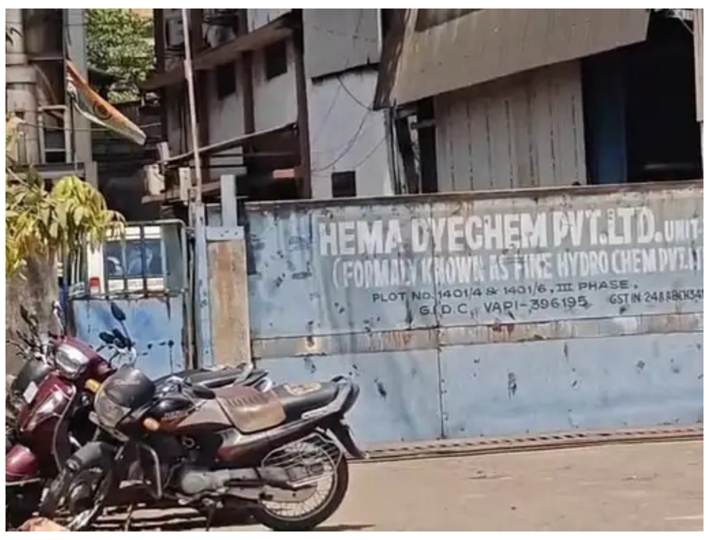

घटना का विवरण:

1. दोपहर करीब 2:30 बजे लीकेज टेस्टिंग प्रक्रिया चल रही थी
2. अचानक टैंक का निचला हिस्सा फटने से भीषण धमाका हुआ
3. धमाके की आवाज आसपास की कई फैक्ट्रियों में सुनाई दी
4. कर्मचारियों में दहशत फैल गई, सभी बाहर की ओर भागे

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई:

1. जीआईडीसी प्रशासन और औद्योगिक सुरक्षा अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया
2. कंपनी प्रबंधन ने बताया कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था
3. घटना के कारणों की जांच के लिए तकनीकी टीम गठित की गई

डेयर टू शेयर - वापी

वापी GIDC की हेम DYCHEM प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब लीकेज टेस्टिंग के दौरान एक टैंक का निचला हिस्सा तेज धमाके के साथ फट गया। टेस्टिंग वक़्त टैंक पर वैक्यूम प्रेशर डाला जा रहा था और अचानक हुए विस्फोट ने आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे मज़दूरों को भी दहशत में ला दिया। धमाके की गूंज इतनी तीव्र थी कि तुरंत आसपास की यूनिट्स के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। कंपनी प्रबंधन ने दावा किया है कि कोई जानहानी नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने फैक्ट्री की सेफ्टी प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर इतनी बड़ी यूनिट में टेस्टिंग के दौरान सुरक्षा के क्या इंतजाम थे? क्या सेफ्टी

बफर ज़ोन था? क्या कर्मचारियों को जानकारी दी गई थी? GIDC और औद्योगिक सुरक्षा अधिकारी अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पर सवाल ये है कि क्या ये जांच भी बाकी हादसों की तरह केवल कागजों तक सीमित रह जाएगी?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित ।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।